



Shalu

29 Dec 1997

08:05 AM

Hathras

Model: web-freekundliweb

Order No: 121921302

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 29/12/1997
दिन _____: सोमवार
जन्म समय _____: 08:05:00 घंटे
इष्ट _____: 02:23:17 घटी
स्थान _____: Hathras
राज्य _____: Uttar Pradesh
देश _____: India

अक्षांश _____: 27:36:00 उत्तर
रेखांश _____: 78:02:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:17:52 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 07:47:08 घंटे
वेलान्तर _____: -00:02:00 घंटे
साम्पातिक काल _____: 14:17:31 घंटे
सूर्योदय _____: 07:07:41 घंटे
सूर्यास्त _____: 17:32:16 घंटे
दिनमान _____: 10:24:35 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल) _____: दक्षिण
ऋतु _____: शिशिर
सूर्य के अंश _____: 13:34:49 धनु
लग्न के अंश _____: 26:45:55 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: धनु - गुरु
राशि-स्वामी _____: धनु - गुरु
नक्षत्र-चरण _____: मूल - 2
नक्षत्र स्वामी _____: केतु
योग _____: वृद्धि
करण _____: चतुष्पाद
गण _____: राक्षस
योनि _____: श्वान
नाड़ी _____: आद्य
वर्ण _____: क्षत्रिय
वश्य _____: मानव
वर्ग _____: मृग
युँजा _____: अन्त्य
हंसक _____: अग्नि
जन्म नामाक्षर _____: यो-योगेश
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: मकर

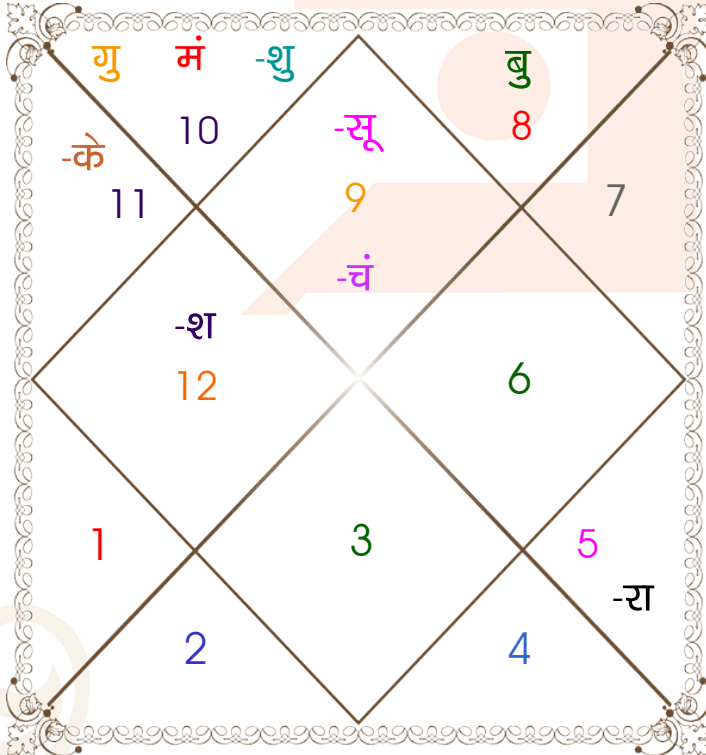
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न		धनु	26:45:55	371:59:12	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	---
सूर्य		धनु	13:34:49	01:01:10	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र		धनु	06:02:46	13:31:37	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	सम राशि
मंगल		मक	14:39:49	00:47:10	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	उच्च राशि
बुध		वृश्चि	23:25:48	00:14:22	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	सम राशि
गुरु		मक	27:49:25	00:12:16	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	नीच राशि
शुक्र	व	मक	10:00:34	00:05:29	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	मित्र राशि
शनि		मीन	19:51:12	00:01:23	रेवती	1	27	गुरु	बुध	शुक्र	सम राशि
राहु	व	सिंह	18:56:31	00:11:51	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	शत्रु राशि
केतु	व	कुंभ	18:56:31	00:11:51	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	चंद्र	शत्रु राशि
हर्ष		मक	13:08:15	00:03:10	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
नेप		मक	05:00:39	00:02:09	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
प्लूटो		वृश्चि	12:50:10	00:02:06	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	---
दशम भाव		तुला	12:53:12	--	स्वाति	--	15	शुक्र	राहु	बुध	--

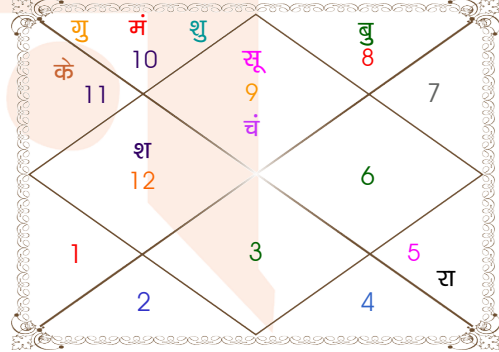
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:40

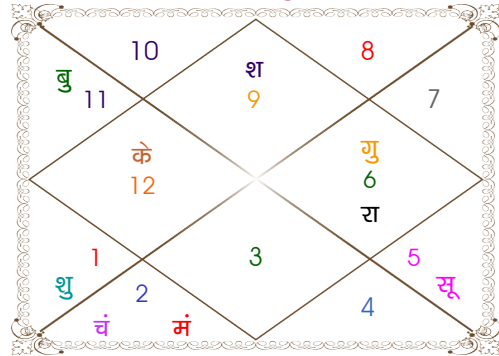
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 3 वर्ष 9 मास 27 दिन

केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष
29/12/1997	26/10/2001	26/10/2021	27/10/2027	26/10/2037
26/10/2001	26/10/2021	27/10/2027	26/10/2037	26/10/2044
00/00/0000	शुक्र 25/02/2005	सूर्य 13/02/2022	चंद्र 26/08/2028	मंगल 24/03/2038
00/00/0000	सूर्य 25/02/2006	चंद्र 14/08/2022	मंगल 27/03/2029	राहु 12/04/2039
00/00/0000	चंद्र 27/10/2007	मंगल 20/12/2022	राहु 26/09/2030	गुरु 18/03/2040
00/00/0000	मंगल 26/12/2008	राहु 14/11/2023	गुरु 26/01/2032	शनि 27/04/2041
29/12/1997	राहु 27/12/2011	गुरु 01/09/2024	शनि 26/08/2033	बुध 24/04/2042
राहु 14/10/1998	गुरु 27/08/2014	शनि 14/08/2025	बुध 26/01/2035	केतु 20/09/2042
गुरु 20/09/1999	शनि 26/10/2017	बुध 21/06/2026	केतु 27/08/2035	शुक्र 20/11/2043
शनि 29/10/2000	बुध 26/08/2020	केतु 26/10/2026	शुक्र 27/04/2037	सूर्य 27/03/2044
बुध 26/10/2001	केतु 26/10/2021	शुक्र 27/10/2027	सूर्य 26/10/2037	चंद्र 26/10/2044

राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष
26/10/2044	26/10/2062	26/10/2078	26/10/2097	27/10/2114
26/10/2062	26/10/2078	26/10/2097	27/10/2114	00/00/0000
राहु 09/07/2047	गुरु 14/12/2064	शनि 29/10/2081	बुध 25/03/2100	केतु 26/03/2115
गुरु 02/12/2049	शनि 27/06/2067	बुध 08/07/2084	केतु 22/03/2101	शुक्र 25/05/2116
शनि 08/10/2052	बुध 02/10/2069	केतु 17/08/2085	शुक्र 21/01/2104	सूर्य 30/09/2116
बुध 27/04/2055	केतु 08/09/2070	शुक्र 17/10/2088	सूर्य 26/11/2104	चंद्र 01/05/2117
केतु 15/05/2056	शुक्र 09/05/2073	सूर्य 29/09/2089	चंद्र 28/04/2106	मंगल 27/09/2117
शुक्र 15/05/2059	सूर्य 25/02/2074	चंद्र 30/04/2091	मंगल 25/04/2107	राहु 30/12/2117
सूर्य 08/04/2060	चंद्र 27/06/2075	मंगल 08/06/2092	राहु 11/11/2109	00/00/0000
चंद्र 08/10/2061	मंगल 02/06/2076	राहु 15/04/2095	गुरु 17/02/2112	00/00/0000
मंगल 26/10/2062	राहु 26/10/2078	गुरु 26/10/2097	शनि 27/10/2114	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 3 वर्ष 9 मा 21 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

वास्तव में कुछ व्यक्तियों का जन्म भाग्यशाली होता है। उनमें से एक आप भी हैं। ज्योतिषीय आकृति स्वरूप आपका जन्म उत्तराषाढा नक्षत्र के प्रथम चरण में धनु लग्नोदय एवं धनु नवमांशोदय काल। आपका जन्म सिंह राशि के द्रेष्काण में हुआ था। आपका जन्म प्रभाव यह व्यक्त करता है कि आप लब्ध प्रतिष्ठित हो कर, धन संपत्ति से युक्त पूर्ण स्वस्थ एवं प्रसन्नतम जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे।

आपके जीवन का प्रथम भाग ऐसा प्रतीत होता है कि आपकी सफलता हेतु एक छोटा सहयोगात्मक योगदान ही पर्याप्त होगा। आपके जीवन में थोड़ा विलम्ब से धनोपार्जन कर के सुव्यवस्थित होंगे। आपकी अच्छी संपत्ति आपमें विद्यमान सहन शक्ति एवं आत्मकारिता के गुण हैं। आप यह जानते हैं कि किस प्रकार धनी व्यक्ति बना जा सकता है। आप इन बातों को बहुत महत्व देते हैं। आप धन का समुचित उपयोग करेंगे। आप बहुत धन संग्रह करेंगे। परंतु आपके मस्तिष्क में अहंकारिक भावना से युक्त नहीं होंगे तथा कोई भी प्रतिकूल कार्य नहीं करेंगे। जो आप पर विश्वास करेगा। आप उसकी सहानुभूति अवश्य लौटाएंगे। क्योंकि आप बाधा रहित होकर जीवन निर्वाह करना चाहते हैं। आप एक चतुर एवं बुद्धिमान प्राणी हैं। अतः आप अपने अनेक मित्रों को आकर्षित कर लेंगे क्योंकि वे आपको कला में प्रवीणता के प्रशंसक हैं। वे लोग अभावग्रस्त होने पर आपका संरक्षण अभिलाषा प्रकट करेंगे।

आपके पास एक सुखद भवन होगा जिसमें अपनी कुशल एवं प्रिय गृहणी के साथ आनंद प्राप्त करेंगे तथा होनहार सुशील बच्चों से युक्त होंगे। आप इन से अलग रहकर प्रसन्न नहीं रहेंगे। आपका घर अन्यों की अपेक्षा इष्टारहित होगा। आप अपने जीवन में उत्तरोत्तर विकास हेतु, उद्युत व्यवसायों में से कोई भी पसंदीदा रोजगार सुनिश्चित कर सकते हैं। यथा अंतर्राष्ट्रीय आयात-निर्यात विकास का कार्य, न्यायधीश अथवा मध्यस्थता करने का कार्य, अथवा भूमि भवन से संबंधित दलाली का कार्य यथा वास्तविक भूमि के क्रय-विक्रय, खनिज खदान कार्य, कृषि कार्य अथवा वास्तुकला से संबंधित कार्य आपके लिए अनुकूल एवं लाभजनक प्रमाणित होगा।

आपके स्वास्थ्य की उत्तमता हेतु शान्ति पूर्वक अहंकारिक भावनाओं से विरक्त तथा किसी भी प्रकार की अतिशय से अलग रहना लाभदायक होगा। आपके अपने स्वास्थ्य रक्षा हेतु अच्छी प्रकार नियमित रहना आवश्यक है। कालांतर में किसी भी प्रकार की आकस्मिकता के कारण कतिपय रोग यथा गैस रोग की दिक्कते, पक्षाघात, चर्म रोग यथा फोड़ा-फुंसी अथवा खुजली रोग से प्रभावित होने की आशंका है। यदि आप समय पर इसके रोकथाम की चहल कदमी प्रारंभ कर लिए तो आप रोग मुक्त हो सकते हैं।

भविष्य की अनुकूलता हेतु आप अंकों में अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक का व्यवहार अपने जीवन में शुभता हेतु करें तो उत्तम रहेगा। परंतु अंक 2, 7 एवं 9 अंक आपके लिए प्रतिकूल प्रमाणित है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुभ दिन रविवार, सोमवार एवं मंगलवारका दिन

प्रतीत होता है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके लिए अशुभफलदायी है।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग क्रीम रंग, सफेद, नारंगी, नीला, हरा रंग एवं सूआपंख्री रंग लाभदायक प्रमाणित होगा। परंतु रंग काला, लाल एवं मोतिया रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।

